

झूषा° तिसा in einen Korb 6. गृह° in's Haus VET. in LA. (II) 14, 13. 18, 8. केश° im Haar HALĀJ. 2, 397. ध्रुवाः zwischen den Brauen (d. i. dort wo sie zusammenstossen) MBH. 3, 2698. VARĀH. BRH. S. 50, 11. परिष्कारवतोः पयोधरयोः zwischen VIKR. 6. इति° AV. PRĀT. 4, 117. सेनयोर्भूमौ मध्ये स्थापय रथं मे BHAG. 1, 21. द्वयोस्त्रयाणां पद्मानां (ग्रामाणां) मध्ये गुल्ममधिष्ठितम् M. 7, 114. सभा° in der Gessllschaft Spr. 153. 2170. 5033. विदुषाम् inmitten von Gelehrten R. 1, 8, 6. Spr. 3331. ÇĀK. 110. आसौ राम सपत्नीनां वस्तुं मध्ये न मे तमम् R. 2, 24, 17. सखी° MBH. 3, 2083. ऋषि° R. 1, 8, 28. 60, 1. 21. R. GORR. 2, 38, 38. देवानां मानुषं मध्ये पत्सा पतिमविन्दत in Gegenwart von Göttern MBH. 3, 2244. स बह्वार तयोर्मध्ये मैथिलीम् RAGH. 12, 29. सामादीनामुपायानां मध्ये कस्यात्र विषयः unter PĀNĀT. 227, 22. तासौ मध्य एकः VET. in LA. (II) 11, 1. 14, 1. 29, 1. अचाम् Schol. zu P. 1, 1, 47. 73. मध्ये विन्ध्यातः mitten im Vindhya KATHĀS. 4, 1. In Verbindung mit करः मध्ये कृवा oder °कृत्य P. 1, 4, 76. VOP. 15, 5. in die Mitte thun so v. a. zum Vermittler machen: व्रतं चास्य (भूहस्य) प्रापश्चित्तत्रयं सान्नात्रोपदिशेत् । किं तु ब्राह्मणं मध्ये कृवा तदुपदेशव्यवधानात् KULL. zu M. 4, 80. so v. a. zum Gegenstand der Behandlung wählen: विरचितपदं वीरप्रोत्था सुरापमसूरिभिश्चरितमुभयोर्मध्येकृत्य (so ist zu schreiben) स्थितं क्रयकौशिकान् so v. a. bei der Besprechung der Krathakaika, in Bezug auf sie MĀLAV. 77. मध्ये wird mit seiner Ergänzung zu einem adv. comp. verbunden P. 2, 1, 18; vgl. weiter unten मध्येगङ्गम् u. s. w. — b) m. n. die Mitte des Leibes AK. 2, 6, 2, 30. H. 607. H. an. MED. HALĀJ. 2, 362. तस्मान्मध्ये येनिर्धृता AIT. BR. 3, 35. 6, 9. अथास्यै मध्यमेधताम् VS. 23, 26. मध्यं प्रति पशुर्वरिष्ठः ÇAT. BR. 8, 2, 4, 19. पाण्यङ्गिमध्येषु दष्टः VET. in LA. (II) 13, 16. त्रिवलीदामचित्रेण मध्येन Unterleib MBH. 3, 1825. Spr. 2878. KUMĀRAS. 1, 39. कश्यं तु मध्यमश्चानाम् AK. 2, 8, 2, 15. उरः कले च पत्नी च मध्यं पृष्ठं प्रतिप्रकृः । केटी च व्यूहशास्त्रैः सप्ताङ्गे व्यूहः (häufig in Vogelgestalt) इष्यते KĀM. NĪTIS. 19, 30. Insbes. die Taille eines Frauenzimmers ÇAT. BR. 1, 2, 5, 16. KĀTJ. ÇR. 5, 4, 14. ÇĀK. 58 (m.). मध्ये क्षामा MEGH. 80. Spr. 505. 1167 (m.). 1606. 2101. स्वल्पक 2397. 3424 (m.). 5298. BHĀG. P. 5, 12, 5. मुष्टिमेय KATHĀS. 33, 49. Am Ende eines adj. comp. f. घ्राः कृशवेदि° KĀURAP. 46. वेदिविलम्ब° KUMĀRAS. 1, 39. वेदी° MBH. 2, 2178. तनु° 3, 2147. निमग्न° VIKR. 129. सु° MĀRK. P. 22, 5. BRAHMA-P. in LA. (II) 50, 5. Rumpf Suçr. 1, 337, 4. — c) the middle term, or the mean of the progression COLEBR. Alg. 52. — d) n. eine best. grosse Zahl, zehntausend Billionen H. 874. COLEBR. Alg. 4. zwischen कोटि und परार्ध MBH. 2, 2144. अर्बुदैरर्बुदशतैर्मध्यैरत्तैश्च R. 4, 38, 55. Schol.: मध्येः = मध्यदेशस्थैः, अत्तैः = देशप्रातस्थैः. — e) Ende, Pause TRIK. 3, 2, 29. — 2) adj. f. घ्रा a) in der älteren Sprache = medius in Verbindungen wie in medio foro d. i. in medio fori: मध्ये डुरोणे mitten in der Heimath RV. 1, 69, 4. समुद्रे 7, 68, 7. प्रपत्समुद्रमीर्याव् मध्यम् 88, 3. अङ्गुष्ठमात्रः पुरुषो मध्य आत्मनि तिष्ठति KATHOP. 4, 12. मध्ये मार्गे ITIH. bei SĀJ. zu RV. 1, 125, 1. मध्ये ऽग्नौ N. (BRUCE) 14, 2. VS. PRĀT. 1, 79. 84. मध्येभवन्धन mitten um den Elephanten AK. 3, 4, 2, 160. mit seinem subst. componirt P. 2, 1, 58. — b) der mittlere; in der Mitte befindlich: मध्यो देशः (vgl. मध्यदेशः) VARĀH. BRH. S. 17, 19. मुक्तागुणामिव भुवः स्थूलमध्येन्द्रनीलम् MEGH. 47. — c) in der Mitte befindlich so v. a. mittlerer Art, mittelmässig; = सांप्रतिक P. 4,

3, 9. = न्याय्य AK. 3, 4, 2, 163. H. an. MED. स्वरः LĀTJ. 2, 2, 7. 3, 1, 13. मृदुर्मध्यस्तीक्ष्णः Suçr. 1, 32, 6. वयस् 129, 4. कुष्माण्डं बालं मध्यं पक्कम् 216, 8. मन्दमध्यमकाविषाः 2, 292, 19. 293, 1. अय्य, मध्य, जघन्य M. 12, 30. नीचाः, मध्याः, उत्तमजनाः Spr. 1913. उत्तमाधममध्यानि बुद्धा कार्याणि पार्थिवः । उत्तमाधममध्येषु पुरुषेषु नियोजयेत् ॥ MATSJA-P. 89 im ÇKDr. ÇUK. in LA. (II) 33, 1. बुद्धिभ्रष्टानि कर्माणि बाहुमध्यानि भारत । तानि जङ्गलजघन्यानि भारप्रत्यवर्णाणि च ॥ Spr. 4638. विलम्बित, द्रुत, मध्य AK. 1, 1, 2, 9. H. 292. DAÇAK. 144, 15. (स्वराः) मन्दमध्यताराः स्युः तरः कण्ठशिरोभवाः H. 1402. Verz. d. Oxf. H. 200, b, 3. मन्द्र, मध्य, उत्तम Ind. St. 8, 262. मुग्धा, मध्या (a young woman, a girl arrived at puberty WILS. nach ÇABDAR.), प्रगल्भा (प्रौढा) नायिका SĀH. D. 100. 103. PRĀTĀ-PAR. 6, a, 9. पव von mittlerer Grösse M. 8, 134. JĀGĀ. 1, 362. दाहः SIDDH. K. zu P. 4, 3, 9. मध्यवेगेन या गतिः H. 1248. SŪRJAS. 1, 53. 70. 2, 44. 47. SIDDHĀNTAÇIR. 4. WEBER, Na x. 1, 310. सस्यानि VARĀH. BRH. S. 5, 85. 8, 15. 16. 24, 33. MĀRK. P. 21, 100. मध्या वृत्तिः die Mittelstrasse Spr. 2232. मीमांसकः gemässigt P. 4, 3, 9, Sch. Nach P. 4, 3, 9 ist मध्य in dieser Bed. oxyt. — d) zwischen zwei feindlichen Parteien stehend, unbetheiligt, neutral: मध्योदासीनचरितज्ञान KĀM. NĪTIS. 13, 49. — e) der niedrigste, schlechteste (अधम) MED. — Die folgenden Substantiva sind substantivirte Adjectiva: 3) m. = प्रकृष्टपुरसाधकाङ्कविशेषः । स च अर्कणज्ञातदेशात्तरदिस्काररहिताङ्कत्रयप्रकृः ÇKDr. nach dem ĠJOTISHA. — 4) f. घ्रा a) (sc. अङ्गुलि) der Mittelfinger H. 593. — b) (auch n.) ein Metrum von 4 Mal 3 Silben COLEBR. Misc. Ess. II, 158. Ind. St. 8, 113. 283. 284. — 5) wohl n. N. pr. eines zwischen Sindhu und Hindusthāna angeführten Landes Verz. d. Oxf. H. 339, a, 33. — Vgl. निर्मध्य, पिपीलिक°, भुज°, वि° und मध्या.

मध्यकुरु (मध्य + कुरु) wohl m. pl. N. pr. eines Landes Verz. d. Oxf. H. 338, b, 23.

मध्यकौमुदी (म° + कौ°) f. = मध्यसिद्धातकौमुदी COLEBR. Misc. Ess. II, 14. 41. HALL 27.

मध्यक्षामा (म° + क्षा°) adj. f. in der Mitte schlank; subst. ein best. Metrum, 4 Mal — — — — — COLEBR. Misc. Ess. II, 161 (IX, 10). °क्षामा gedr.

मध्यग (मध्य + 1. ग) adj. f. घ्रा sich befindend in, auf, unter: अन्त्येषो चैव प्रूराणां मध्यगास्तनया मम । यदकृत्यत संग्रामे MBH. 6, 3933. गुणिगोष्ठेषु RĀGA-TAR. 3, 146. मासौ — तपमासस्य मध्यगौ enthalten in WEBER, ĠJOT. 103. Gewöhnlich in comp. mit seiner Ergänzung: गङ्गासलिल° R. GORR. 2, 52, 15. अम्बु° VID. 239. लज्जाशोकाब्धि° MĀRK. P. 23, 8. ब्रह्माण्ड° Spr. 584. 2270. केश° H. 631. हार° AK. 2, 6, 2, 4. उत्फुल्लपुष्पकानन° KATHĀS. 28, 56. 20, 51. 55. 54, 127. विपणि° (मत्स्य) auf dem Markte befindlich 5, 16. मार्ग° auf dem Wege stehend RĀGA-TAR. 1, 131. सवाष्पमृग° weilend unter KATHĀS. 8, 29. RĀGA-TAR. 4, 560. 666. वज्र° Vielen angehörig M. 9, 199.

मध्यगत (म° + गत) adj. inmitten seiend, sich befindend zwischen, unter SŪRJAS. 1, 57 (= मध्यम Schol.). भोगयोगेन मालिन्यं नेतुं मध्यगतो ऽपि सः । न शक्यते स्म पङ्केन प्रतिमेन्दुरिवामलः ॥ RĀGA-TAR. 1, 278. यद्युद्वहति मध्यगतो वा VARĀH. BRH. S. 47, 18. गुरु° dessen mittlere (Silbe) lang ist ÇAUT. (Ba.) 3. die Ergänzung im gen.: वृक्ष्यन्धकानाम्